

**सप्तम प्रश्न-पत्र**  
**(कृषि-अर्थशास्त्र)**  
**सिद्धान्त**

- (1)–**प्रारम्भिक अर्थशास्त्र**–सिद्धान्त, अर्थशास्त्र का अर्थ और क्षेत्र,, राष्ट्रीय नियोजन में कृषि अर्थशास्त्र का महत्व । 15
- उत्पादन के उपादान, प्रतिफल नियम, प्रदेश के प्रमुख उत्पादन आंकड़े–  
**भूमि**–इसकी विशेषतायें, भूमि का उत्पादन के साधन के रूप में महत्व, सघन तथा विस्तृत खेती ।  
**श्रम**–श्रम की विशेषतायें, ।  
**पूंजी**–पूंजी का वर्गीकरण, कृषि में पूंजी का महत्व ।
- (2) **विनिमय**–परिभाषा एवं प्रकार, विनिमय के लाभ, बाजार के प्रकार, बाजार और सामान्य मूल्य, मांग और पूर्ति का नियम । 10
- (3) **वितरण**–परिभाषा एवं निर्धारण के सिद्धान्त–लगान । 05
- (4) **उपभोग**–परिभाषा, उनके लक्षण, ह्रासमान, तुष्टिगुण नियम, मांग का नियम । 05
- (5) सहकारिता का प्रारम्भिक ज्ञान, सहकारिता के सिद्धान्त, उनके संगठन एवं ग्रामीण बैंकों का कृषि में योगदान । 05
- (6) प्रारम्भिक ग्रामीण समाजशास्त्र, ग्राम जीव का उद्भव और विकास, ग्रामों का सामाजिक गठन, सामाजिक गतिशीलता तथा सामाजिक परिवर्तन । जनसंख्या दबाव एवं बेरोजगारी समस्या का समाधान । ग्राम विकास में योगदान । 05
- (7) पंचवर्षीय योजना में कृषि का स्थान । 05
- पुस्तकें**–  
कोई पुस्तक निर्धारित या संस्तुत नहीं की गयी है । विद्यालय के प्रधान विषय अध्यापक के परामर्श से पाठ्यक्रम के अनुरूप पुस्तक का चयन कर लें ।

---

**30 प्रतिशत कम किया गया पाठ्यक्रम–**

- (1)–**प्रारम्भिक अर्थशास्त्र**– अर्थशास्त्र का अन्य विज्ञानों से सम्बन्ध,  
**श्रम**– श्रम का संयोजन, श्रम की गतिशीलता, श्रम की दक्षता ।  
**संगठन**–प्रबन्ध और उत्तम कृषि उत्पादन के उपादानों का संयोजन ।
- (2) **विनिमय**– मूल्य का सिद्धान्त, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के सिद्धान्त, द्रव्य ।
- (3) **वितरण**– ब्याज और लाभ, मजदूरी ।
- (4) **उपभोग**– मूल्य सापेक्षता और जीवन स्तर, आवश्यकतायें ।
- (5) विभिन्न प्रकार की सहकारी समितियां, भूमि विकास बैंक, एक धंधी बनाम बहुधंधी सहकारी समितियां ।
- (6) ग्राम पंचायत का गठन, विभिन्न सामुदायिक संस्थाओं के कार्य, ग्राम शिक्षा ।
- (7) उत्तर प्रदेश में कृषि उत्पादन के प्रमुख आंकड़े, ।